ब्रेंट क्रूड 110 डालर के करीब पहुंचा, डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 105 डालर के पास

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में लगातार तेजी का रुख है। ब्रेंट क्रूड 110 डालर प्रति बैरल के स्तर के करीब पहुंचता नजर आ रहा है। वहीं वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 105 डालर प्रति बैरल के स्तर के काफी करीब पहुंच गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 15 अप्रैल के बाद पहली बार ब्रेंट क्रूड 108 डालर के स्तर को पार कर 108.77 डालर प्रति बैरल के ऊपरी स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 105 डालर प्रति बैरल के स्तर के काफी करीब 104.46 डालर प्रति बैरल के ऊपरी स्तर पर पहुंच कर कारोबार करता नजर आया।

ब्रेंट क्रूड ने बिना किसी बदलाव के 107.63 डालर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। ट्रेडिंग शुरू होने के बाद ये कुछ देर के लिए फिसल कर 107.16 डालर प्रति बैरल के स्तर तक भी आया, लेकिन थोड़ी देर बाद इसकी चाल में तेजी आ गई। कीमत मे आई इस तेजी के कारण ब्रेंट क्रूड ने देखते ही देखते 108 डालर प्रति बैरल के स्तर को पार कर 108.77 डालर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि इसके बाद इसकी कीमत में गिरावट आ गई, जिसकी वजह से फिसल कर क्लोजिंग लेवल से भी नीचे पहुंच गया। भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 11:30 बजे ब्रेंट क्रूड 0.97 डालर प्रति बैरल यानी 0.90 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 106.66 डालर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड ने 1.43 डालर प्रति बैरल उछल कर 103.91 डालर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। ओपनिंग के तुरंत बाद ये गिर कर थोड़ी देर के लिए 101.57 डालर प्रति बैरल के स्तर तक आ गया, लेकिन इसके बाद इसकी चाल में तेजी आ गई। कुछ देर में ही यह उछल कर 104.46 डालर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि बाद में इसके भाव में गिरावट भी दर्ज की गई। भारतीय समय के अनुसार दोपहर 11:30 बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.76 डालर प्रति बैरल यानी 0.75 प्रतिशत की गिरावट के साथ 101.72 डालर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। आपको बता दें कि अमेरिका और ईरान द्वारा एक दूसरे के खिलाफ लगातार हमला करने और सख्त कदम उठाने की चेतावनी देने के कारण पश्चिम एशिया के हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। खासकर, अमेरिका द्वारा फारस की खाड़ी और ओमान के पास ईरान के 5 आयल टैंकर्स पर हमला करने और जवाब में ईरान द्वारा जार्डन में अमेरिकी ठिकानों पर हमला करने की वजह से पश्चिम एशिया में तनाव काफी बढ़ गया है। इसके अलावा ईरान ने हार्मुज स्ट्रेट में जहाजों को निशाना बनाए जाने की भी चेतावनी दी है, जिसकी वजह से इस रास्ते से जहाजों की आवाजाही पूरी तरह से ठप पड़ गई है।

इस तनाव के बीच यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के पश्चिमी बंदरगाहों पर नाकाबंदी और हमलों का दायरा बढ़ा दिया है, जिससे बाब-अल-मंदेब और लाल सागर में समुद्री व्यापार का संकट गहरा गया है।

न्यूज ब्रीफ

फंड फ्लो में गिरावट से एएमसी शेयरों पर नुवामा का भरोसा बढ़ा, रिटर्न की उम्मीद

नई दिल्ली। म्युचुअल फंड में निवेशकों का पैसा आना जारी है। अगस्त में इक्विटी म्युचुअल फंड में आने वाला पैसा बढ़ा है और एसआईपी के जरिए निवेश भी नए रिकार्ड पर पहुंच गया। हालांकि इस बीच एचडीएफसी एएमसी और निप्पान लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट में आने वाले निवेश में गिरावट देखने को मिली है। दोनों कंपनियों में अगस्त में आया शुद्ध निवेश जुलाई के मुकाबले करीब 11 फीसदी घट गया। इसके बावजूद ब्रोकरेज फर्म नुवामा को दोनों कंपनियों के शेयरों पर भरोसा है। ब्रोकरेज ने एचडीएफसी एएमसी और निप्पान एएमसी दोनों पर खरीदारी की राय बरकरार रखी है। इतना ही नहीं, नुवामा ने एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में इन दोनों को अपनी पहली पसंद में भी रखा है। अगस्त में एचडीएफसी एएमसी में 2,420 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश आया। जुलाई के मुकाबले यह 11.4 फीसदी कम है। कुल निवेश में कंपनी का हिस्सा भी घटा है। अगस्त में यह 1.40 फीसदी अंक घटकर 7.7 फीसदी रह गया। हाल के महीनों के मुकाबले यह कमजोर आंकड़ा है। हालांकि नुवामा का मानना है कि इस गिरावट को केवल एचडीएफसी एएमसी की परेशानी के तौर पर नहीं देखना चाहिए। बड़ी और पहले से बाजार में मजबूत पकड़ रखने वाली एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में आने वाले निवेश की रफ्तार कुछ धीमी हुई है। एचडीएफसी एएमसी में आई गिरावट भी इसी का हिस्सा है। निप्पान लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट में अगस्त के दौरान 2,850 करोड़ का शुद्ध निवेश आया। जुलाई के मुकाबले यह 11.2 फीसदी कम है। कुल निवेश में कंपनी का हिस्सा भी 1.63 फीसदी अंक घटकर 9.1 फीसदी रह गया।

अब डिजिटल टोकन के रूप में मिलेंगे कारपोरेट बान्ड, सेबी ने लान्च किया डीमैट 2.0

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने डीमैट 2.0 लान्च किया। यह डिस्ट्रिब्यूटेड लेजर टेक्नालजी (डीएलटी) का इस्तेमाल करके कारपोरेट बान्ड के टोकनाइजेशन के लिए पायलट परियोजना है। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा और सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने मिलकर इस पहल को शुरू किया। इसके जरिये कारपोरेट बान्ड जारी रखने, ट्रेड करने और निपटान करने के नए तरीके का परीक्षण किया जाएगा। इस प्रायोगिक परियोजना के तहत अब तक तीन कंपनियों ने कुल मिलाकर 1,025 करोड़ रुपए के टोकनाइज्ड बान्ड जारी किए हैं। 7 सितंबर को आरईसी ने सबसे पहले 18 निवेशकों से 500 करोड़ रुपए जुटाए, 9 सितंबर को एलऐंडटी ने चार निवेशकों से 500 करोड़ रुपए जुटाए और आईआईएफएल ने 25 करोड़ रुपए जुटाए। इसके तहत कारपोरेट बान्ड को डिस्ट्रिब्यूटेड लेजर पर डिजिटल टोकन के तौर पर बनाया जाता है। यह एक साझा किए जाने वाला इलेक्ट्रानिक रिकार्ड होता है, जिसे डीएलटी का इस्तेमाल करके मार्केट इन्फ्रास्ट्रक्चर संस्थान मेंटेन करते हैं। इस लेजर का मालिकाना हक डिपाजिटरी के पास होता है। सेबी ने कहा कि कानून की नजर में बान्ड वैसा ही है, जैसा वह था। कंपनी की भुगतान करने की ज़िम्मेदारी में कोई बदलाव नहीं हुआ है और निवेशकों के अधिकार भी वही हैं। क्रेडिट रेटिंग, डिबेंचर ट्रस्टी, लिस्टिंग और डिस्क्लोजर से जुड़ी जरूरतें पूरी तरह लागू रहेंगी।

टाटा पंच ने किया सबसे ज्यादा बिकने वाली कार का खिताब अपने नाम

नई दिल्ली। स्वदेशी कार निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स की टाटा पंच ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार का खिताब अपने नाम कर लिया। अगस्त में टाटा पंच की कुल 21,320 यूनिट बिकीं। पिछले साल इसी महीने इसकी 10,704 यूनिट की बिक्री हुई थी। इस तरह सालाना आधार पर इसकी बिक्री करीब 99 प्रतिशत बढ़ी है। टाटा पंच की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 5.59 लाख रुपये है। इसमें 193 मिलीमीटर का ग्राउंड क्लीयरेंस मिलता है। फीचर्स की बात करें तो कार में 10.25 इंच का टचस्क्रीन, डिजिटल क्लस्टर, सनरूफ, वायरलेस कनेक्टिविटी और 360 डिग्री कैमरा जैसे फीचर्स मौजूद हैं।

फ्लिपकार्ट मिनट्स ने दर्ज की चार गुना वृद्धि, नेटवर्क 150 से ज्यादा शहरों तक पहुंचा

सालाना आधार पर 4 गुना वृद्धि, 150+ शहरों में 1200 माइक्रो फुलफिलमेंट सेंटर

नई दिल्ली

देश के आनलाइन खुदरा बाजार में फ्लिपकार्ट की क्विक कामर्स पेशकश फ्लिपकार्ट मिनट्स ने लांचिंग के बाद तेजी से विस्तार करते हुए सालाना आधार पर चार गुना वृद्धि दर्ज की है। पिछले दो वर्षों में प्लेटफार्म का नेटवर्क बढ़कर 150 से अधिक शहरों में लगभग 1,200 माइक्रो फुलफिलमेंट सेंटर तक पहुंच गया है।

इस प्लेटफार्म ने शुरुआत से अब तक चार लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित किए हैं। कंपनी ने कहा कि इस वृद्धि में टियर 2+ बाजारों की अहम भूमिका देखने को मिल रही है। इसमें अंबाला, बाराबंकी, भागलपुर, दुर्गापुर, कानपुर, रुड़की, सिलीगुड़ी, सलेम और तिरुप्पुर जैसे शहरों में ग्राहक आधार सालाना आधार पर करीब 25 गुना बढ़ा है। इन बाजारों में मांग अब रोजमर्रा की जरूरतों तक सीमित नहीं है। कोरियन नूडल्स, सास और रेडी-टू-ईट मील्स जैसे उत्पादों के साथ-साथ प्रीमियम स्किनकेयर और पर्सनल केयर कैटेगरी में भी मजबूत मांग देखने को मिल रही है।

जेन जेड की बढ़ती भागीदारी से क्विक कामर्स का दायरा हुआ व्यापक

कंपनी ने कहा कि फ्लिपकार्ट मिनट्स पर जेन जेड सबसे तेजी से बढ़ने वाला ग्राहक वर्ग बनकर उभरा है। पिछले 12 महीनों में इस वर्ग का ग्राहक आधार सालाना आधार पर करीब पांच गुना बढ़ा है। ब्यूटी, इलेक्ट्रानिक्स, गेमिंग, वियरेबल्स, फ्रेगरेंस, हेल्थ एवं न्यूट्रिशन और ग्रूमिंग जैसी कैटेगरी में 45 फीसदी से अधिक आर्डर जेन जेड ग्राहकों द्वारा किए जाते हैं। इसके अलावा प्लेटफार्म पर गारमेट कैटेगरी के हर तीन में से एक आर्डर जेन जेड ग्राहक करते हैं। कंपनी के मुताबिक ये आंकड़े दिखाते हैं कि यह पीढ़ी क्विक कामर्स का इस्तेमाल रोजमर्रा की जरूरतों से लेकर प्रीमियम और लाइफस्टाइल से जुड़ी अन्य श्रेणियों तक कहीं अधिक व्यापक उत्पादों की खरीदारी के लिए कर रही है। कंपनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं प्रमुख कुणाल गुप्ता ने कहा कि पिछले दो साल में फ्लिपकार्ट मिनट्स महज सुविधा प्रदान करने वाली सेवा से आगे बढ़कर खरीदारी के एक व्यापक प्लेटफार्म के रूप में उभरा है। ग्राहक अब रोजमर्रा की जरूरतों के अलावा कई अन्य तरह के उत्पादों की खरीदारी के लिए भी इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि खास बात यह है कि खरीदारी का यह रुझान बड़े शहरों से बाहर भी तेजी से बढ़ रहा है। साथ ही जेन जेड के ग्राहक प्लेटफार्म पर नई श्रेणियों के उत्पादों की खरीदारी कर रहे हैं और खरीदारी के नए अवसर भी तैयार कर रहे हैं। अपने बढ़ते नेटवर्क के जरिए हमारे पास देशभर में अधिक उपभोक्ताओं तक यह अनुभव पहुंचाने के साथ-साथ ब्रांड्स, किसानों और स्थानीय कारोबारों को ग्राहकों तक पहुंचने के नए अवसर उपलब्ध कराने की भी व्यापक संभावनाएं हैं।

भारत की बदलती शापिंग बास्केट

कंपनी ने बताया कि रोजमर्रा की जरूरतों और फल-सब्जियों के अलावा फ्लिपकार्ट मिनट्स पर प्रीमियम और एस्पिरेशनल कैटेगरी में भी मजबूत वृद्धि देखने को मिल रही है। पिछले एक साल के भीतर लान्च की गई गारमेट और स्पेशियलिटी ग्रासरी कैटेगरी में आठ गुना वृद्धि हुई है। इसमें कोल्ड-प्रेस्ड आयल, इम्पोर्टेड चीज, एवोकाडो की अंतरराष्ट्रीय किस्मों और कोरियन रेडी-टू-ईट मील्स की मांग देखने को मिल रही है। मेन्स ग्रूमिंग कैटेगरी सालाना आधार पर करीब 6 गुना बढ़ी है, जबकि पेट फूड कैटेगरी में 5 गुना वृद्धि हुई है। यह क्विक कामर्स के जरिए ग्राहकों द्वारा खरीदे जा रहे उत्पादों की बढ़ती विविधता को दर्शाता है।

भारत के लिए निर्माण: पार्टनर्स, किसान और पर्यावरण के अनुकूल पहल

फ्लिपकार्ट ने कहा कि अगस्त 2024 से अब तक फ्लिपकार्ट मिनट्स ने करीब 500 डी2सी ब्रांड्स का पार्टनर इकोसिस्टम तैयार किया है, जिससे इन ब्रांड्स को हाइपरलोकल मांग और नए ग्राहक वर्गों तक पहुंचने का अवसर मिला है। किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के साथ साझेदारी के जरिए प्लेटफार्म ने हजारों किसानों को सीधे उपभोक्ताओं से भी जोड़ा है। इससे किसानों को नए बाजारों तक पहुंचने और अपनी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त करने में मदद मिली है। फ्लिपकार्ट मिनट्स अधिक सस्टेनेबल डिलीवरी नेटवर्क बनाने की दिशा में भी काम कर रहा है। अब लास्ट-माइल डिलीवरी का बढ़ता हिस्सा इलेक्ट्रिक वाहनों के जरिए पूरा किया जा रहा है और माइक्रो फुलफिलमेंट सेंटर्स में बैटरी-स्वैपिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का इस्तेमाल किया जा रहा है। प्लेटफार्म ने प्रमुख फल एवं सब्जी कैटेगरी में हल्की कम्पोस्टेबल और बायोडिग्रेडेबल पैकेजिंग भी शुरू की है, जिससे वर्जिन प्लास्टिक के इस्तेमाल को कम किया जा रहा है।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख नजर आ रहा है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 1,120 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह सर्राफा बाजार में हाजिर चांदी की कीमत में 5,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की जोरदार उछाल आया है।

भाव में बदलाव होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,55,520 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,42,560 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,55,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,55,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,55,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,55,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,610 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,55,520 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,560 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,55,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,55,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,55,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,42,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ है।

टेस्ला ने रोबोटैक्सी सेवा के तहत दर्जनों साइबरकैब उतारी

न्यूयार्क। मशहूर अमेरिकी कारोबारी एलन मस्क की कंपनी टेस्ला ने अमेरिका के टेक्सास स्थित आस्टिन की सड़कों पर अपनी रोबोटैक्सी सेवा के तहत दर्जनों साइबरकैब उतारी हैं। इन वाहनों की सबसे खास बात यह है कि इनमें स्टीयरिंग व्हील और ब्रेक पैडल नहीं दिए गए हैं। यानी आपात स्थिति में यात्री खुद कार की ड्राइविंग अपने हाथ में नहीं ले सकेगा। टेस्ला की साइबरकैब का उद्देश्य बिना ड्राइवर यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाना है। कंपनी की योजना आने वाले समय में इस सेवा का विस्तार अन्य शहरों में करने की है। टेस्ला ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साइबरकैब को पेश करते हुए स्पष्ट किया था कि इसमें न स्टीयरिंग व्हील होगा और न ब्रेक पैडल। कंपनी का मानना है कि पूरी तरह स्वायत्त वाहन भविष्य में परिवहन व्यवस्था को बदल सकते हैं। हालांकि रोबोटैक्सी के सामने तकनीकी क्षमता से ज्यादा बड़ा सवाल सुरक्षा और लोगों के भरोसे का है। टेस्ला को यह साबित करना होगा कि उसकी कारें पैदल यात्रियों, साइकिल सवारों और अचानक सामने आने वाली परिस्थितियों में सुरक्षित निर्णय ले सकती हैं। रोबोटैक्सी बाजार में उसका मुकाबला वेमो जैसी कंपनियों से है, जो पहले से स्वायत्त वाहनों का संचालन कर रही हैं।

देशभर में बैंक कर्मचारियों की हड़ताल, पांच दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग

नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में देशव्यापी हड़ताल से बैंकिंग सेवाएं प्रभावित हुई हैं। पांच दिवसीय कार्य सप्ताह और अन्य वेतन संबंधी मुद्दों को लेकर कर्मचारियों ने विरोध-प्रदर्शन किया, जिससे ग्राहकों को परेशानी हुई। हालांकि, निजी क्षेत्र के बैंकों के कामकाज पर हड़ताल का असर नहीं पड़ा है।

यूनाइटेड फोरम आफ बैंक यूनियन (यूएफबीयू) के एक दिवसीय हड़ताल के आह्वान का निजी क्षेत्र के बैंकों के कामकाज पर असर नहीं पड़ा है।यूपीआई और इंटरनेट बैंकिंग सहित डिजिटल बैंकिंग सेवाएं सामान्य रूप से चलती रहीं। स्टेट बैंक, पीएनबी और यूनियन बैंक सहित देशभर के सरकारी और कुछ निजी बैंक लगातार तीन दिन बंद रहेंगे। यूएफबीयू ने पांच दिवसीय कार्य सप्ताह तत्काल लागू करने और वेतन संबंधी 2 साल से लंबित मुद्दों के समाधान की मांग को लेकर देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। इस बीच, सार्वजनिक क्षेत्र के अधिकतर बैंकों ने अपने ग्राहकों को हड़ताल से कामकाज पर पड़ने वाले संभावित असर की जानकारी दी है।

देशभर में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की अधिकतर शाखाएं पूरी तरह या आंशिक रूप से बंद रहीं, क्योंकि अधिकांश कर्मचारियों और अधिकारियों ने इस हड़ताल में हिस्सा लिया। इस हड़ताल से ज्यादातर बैंकों (पीएसबी) और कुछ पुराने निजी क्षेत्र के बैंकों की शाखाओं में नकद जमा, निकासी, चेक निपटान और प्रशासनिक कामकाज जैसी सेवाएं प्रभावित हुईं। एसबीआई ने ग्राहकों को जारी एक परामर्श में कहा कि बैंक ने हड़ताल के दिनों में शाखाओं और कार्यालयों का सामान्य कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं की हैं, लेकिन हड़ताल के कारण बैंकों का कामकाज प्रभावित होने की आशंका है।

बैंक यूनियन सभी अवकाश घोषित करने की मांग कर रही हैं। यह एक प्रमुख मांग है, जिस पर मार्च, 2024 में भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के साथ हुए 12वें द्विपक्षीय समझौते में कथित तौर पर सहमति बनी थी, लेकिन इस संबंध में सरकार की अधिसूचना अभी जारी नहीं हुई है। फिलहाल बैंक महीने के पहले, तीसरे और पांचवें शनिवार को खुले रहते हैं। इसके अलावा पेंशन में संशोधन एवं सुधार, सभी पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ते के एक समान सूत्र तथा राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत आने वाले कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) में जाने का विकल्प देने समेत अन्य लंबित मांगों का भी समाधान नहीं हुआ है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट का शिकार हो गए। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। इसी तरह एशियाई बाजार में भी आमतौर पर दबाव बना हुआ है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी किए जाने का संकेत देने के कारण वाल स्ट्रीट में पिछले सत्र के दौरान घबराहट का माहौल बना रहा। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.60 प्रतिशत टूट कर 52,064.10 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.58 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,591.70 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं नैस्डेक 171.62 अंक यानी 0.65 प्रतिशत की गिरावट के साथ 26,081.72 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 120.62 अंक यानी 0.23 प्रतिशत उछल कर 52,184.72 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.58 प्रतिशत फिसल कर 10,608.92 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.49 प्रतिशत फिसल कर 8,116.76 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 215.30 अंक यानी 0.85 प्रतिशत लुढ़क कर 25,361.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी आमतौर पर बिकवाली का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में इकलौता स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स फिलहाल 0.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,682.53 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

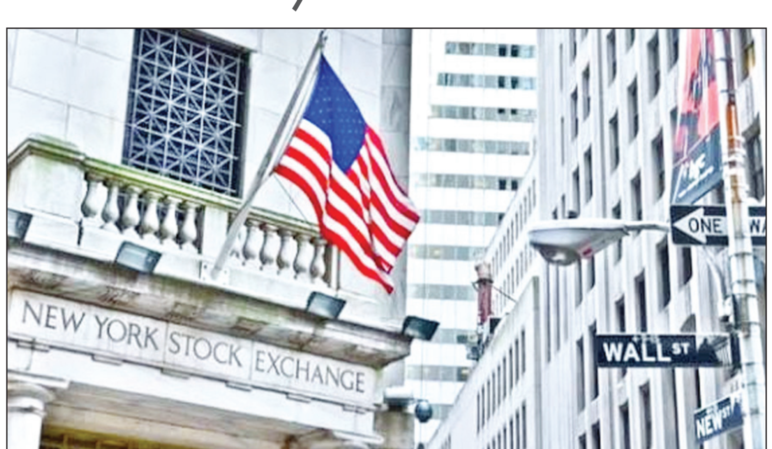

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 199 अंक यानी 0.85 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,261 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 241.47 अंक यानी 0.98 प्रतिशत टूट कर 24,713 अंक के स्तर तक गिर गया है। निक्केई इंडेक्स में जबरदस्त कमजोरी नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 1,643.95 अंक यानी 2.52 प्रतिशत लुढ़क कर 63,627 अंक के स्तर पर आ गया है।

कोस्पी इंडेक्स में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 173.93 अंक यानी 2.47 प्रतिशत टूट कर 6,859.99 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। शंघाई कंपोजिट इंडेक्स भी 71.67 अंक यानी 1.82 प्रतिशत फिसल कर 3,862.73 अंक के स्तर तक गिर गया है। वहीं ताइवान वेटेड इंडेक्स 724.26 अंक यानी 1.54 प्रतिशत की गिरावट के साथ 46,216.23 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 89.02 अंक यानी 1.35 प्रतिशत लुढ़क कर 6,500.32 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.68 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,604.02 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।